Media Coverage Dossier

Coverage from 5th to 11th September 2020

- Nand Ghar Celebrates Poshan Maah

Total	Print	Online	Electronic
06	05	01	-

S.No.	Publication	Headline	Medium	Date
1	Dainik Jagran	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah	Print	9.9.2020
2	Dainik Savera	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah	Print	9.9.2020
3	Dainik Bhaskar	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah	Print	9.9.2020
4	Punjab Kesari	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah	Print	9.9.2020
5	Jagbani	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah	Print	9.9.2020
6	Groatimes	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah	Online	9.9.2020

Publication	Dainik Jagran
Headline	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah
Date	9 September 2020

वेदांता के अधिकारी व कर्मी एक स्थान पर महिलाओं को कुपोषण से बचाव के तहत जागरूकता के लिए बातचीत करते हुए। (दाएं) कुपोषण मुक्त भारत अभियान में वेदांता नंद घर परियोजना के तहत बच्चों, गर्भवतियों एवं महिलाओं को कुपोषण से बचाव के लिए पोषण माह में लोगों को जागरूक करते हुए। ● जागरण

कुपोषण मुक्ति के लिए वेदांता की सरकार से सहभागिता

मानसा (वि.) : भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कुपोषण मुक्त भारत अभियान में वेदांता समूह अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। वेदांता के सामाजिक सरोकार की प्रमुख नंद घर परियोजना तहत बच्चों व महिलाओं को कुपोषण से बचाव के लिए पोषण माह में अपनी सहभागिता दे रहा है। नंद घर ने राजस्थान, यूपी, झारखंड और ओडिशा में पोषण-संवर्धन गतिविधियों में भाग लेने के लिए सरकार के साथ इसकी पहल की है। कुपोषण से बचाव की दृष्टि से जनजागरूकता एवं आंदोलन के रूप में इसे पोषणमाह के रूप आयोजित किया जा रहा है। राजस्थान सरकार के प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्रालय डॉ. केके पाठक ने कहा कि कुपोषण से बचाव के लिए पोषण माह सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है, जिसमें सहभागिता के लिए वेदांता की नंद घर परियोजना द्वारा अनुकरणीय पहल की जा रही है। इस योजना की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋतु झिंगोन ने कहा कि वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का लक्ष्य है कि भारत में कोई भी बच्चा कुपोषित ना रहे। इस तहत वेदांता के नंद घर सरकार के साथ साझेदारी में पोषण माह मना रहे है।

नंदघर वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के ड्रीम प्रोजेक्ट मॉडल आंगनबाड़ी का एक नेटवर्क है जहां बच्चों, महिलाओं और स्थानीय समुदायों के समावेशी विकास पर बल दिया जाता है। नंद घर नंद प्रधानमंत्री के बाल कुपोषण के उन्मूलन, शिक्षा प्रदान करने, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पिछले माह वाराणसी के काशी विद्यापीठ ब्लॉक का सुरही गांव में वेदांता के नंद घर की शुरूआत मील का पत्थर है। यह परियोजना 7 राज्यों - राजस्थान, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में संचालित की जा रही है। इस परियोजना का लक्ष्य 4 करोड़ समुदाय के सदस्यों के जीवन को लाभान्वित के साथ ही लगभग 2 लाख बच्चों और 1.8 लाख महिलाओं को वार्षिक आधार पर लाभ पहुंचाना है।

वेदांता रिसोर्स लिमिटेड की एक परोपकारी पहल वेदांत फाउंडेशन, वंचितों को रोजगारपरक बनाने के लिए कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर केंद्रित है। स्वास्थ्य सेवा की एक प्रमुख विशेषता सीएसआर परियोजना बालको मेडिकल सेंटर है, जो नया रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित एक 200 बेड का अत्याधुनिक कैंसर केयर अस्पताल है। वेदांता स्पोर्ट्स के उदयपुर और गोवा में स्थित दो फुटबॉल अकादमियां हैं।

Publication	Dainik Savera
Headline	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah
Date	9 September 2020

कुपोषण से बचाव के लिए पोषण माह के तहत नंदघरों की महत्वपूर्ण भूमिका

कुपोषण मुक्त भारत अभियान में वेदांता कर रहा सरकार का सहयोग

बठिंडा, 8 सितंबर (श्रीवास्तव) : भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कुपोषण मुक्त भारत अभियान में वेदांता समूह अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। जिसके तहत वेदांता के सामाजिक सरोकार की प्रमुख नंदघर परियोजना द्वारा छोटे बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को कुपोषण से बचाव के लिए पोषण माह में अपनी सहभागिता दे रहा है। नंद घर ने राजस्थान, यूपी, झारखंड और ओडिशा में पोषण-संवर्धन गतिविधियों में भाग लेने के लिए सरकार के साथ इसकी पहल की है। कुपोषण से बचाव की दृष्टि से जनजागरूकता एवं आंदोलन के रूप में इसे पोषण माह के रूप आयोजित किया जा रहा है। राजस्थान सरकार के प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्रालय डॉ. केके पाठक ने कहा कि कुपोषण से बचाव के लिए पोषण माह सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जिसमें सहभागिता के लिए वेदांता की नंदघर परियोजना द्वारा अनुकरणीय पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि नंदघरों द्वारा पोषण माह का आयोजन, कुपोषण से

वेदांता के नंदघर में पोषण माह मनाते सदस्य।

मुक्त वातावरण बनाने, पोषक तत्व सुलभ कराने और जागरूकता के लिए प्रमुख भूमिका निभा रहा है। वेदांता एवं महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की यह पहल कुपोषण मुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण कडी साबित होगें। नंदघर परियोजना की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋतु झिंगोन ने कहा कि वेदांता के चैयरमेन अनिल अग्रवाल का लक्ष्य है कि भारत में कोई भी बच्चा कुपोषित ना रहे। इसी उद्धेश्य के साथ वेदांता के नंद घर सरकार के साथ साझेदारी में पोषण माह मना रहे हैं। इस पहल से देश भर के बच्चों में कुपोषण को दूर करने के हमारे संकल्प को बल मिलेगा।

नंदघरों में अतिकुपोषित और कुपोषित बच्चों की नियमित निगरानी के लिए उनके वजन और वृद्धि की जानकारी रखी जा रही है साथ ही पोषक तत्वों को उपलब्ध कराने के लिए पोषण वाटिका भी विकसित की जा रही है। पिछले एक सप्ताह के दौरान, नंदघरों द्वारा पोषण माह से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के तहत पोषण माह के शुभारंभ , पोषण रैलियों, पोषण वाटिकाओं में पौध रोपण और जागरूकता सत्र राजकीय विभाग एवं स्थानीय समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर आयोजित किए गए है। 2015 में नंद घर की शुरूआत 13.7 लाख आंगनवाड़ियों 8.5 करोड़ बच्चों और में 2 करोड़ महिलाओं के जीवन को बदलने की दृष्टि से शुरू हुई थी। नंदघर वेदांता के चैयरमेन अनिल अग्रवाल के ड्रीम प्रोजेक्ट मॉडल आंगनवाड़ियों का एक नेटवर्क है जहां बच्चों, महिलाओं और स्थानीय समुदायों के समावेशी विकास पर बल दिया जाता है। नंद घर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से स्थापित किए गए हैं। नंद घर नंद प्रधानमंत्री के बाल कुपोषण के उन्मूलन, शिक्षा प्रदान करने, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वेदांता आस पास के समुदायों और राष्ट्र हित में पुनर्निवेश के लिए प्रतिबद्ध है। समूह की प्रमुख सीएसआर परियोजना, नंद घर, मॉडल आंगनवाड़ियों का एक नेटवर्क है, जहां पर बुनियादी स्तर पर महिलाओं और बच्चों के समावेशी विकास पर जोर दिया जाता है। सीएसआर पहल के तहत प्रमुख कार्यक्षेत्रों शिक्षा, स्वास्थ्य, जल और स्वच्छता, सतत आजीविका, कौशल, खेल और संस्कृति और कर्मचारी स्वयंसेवा पर विशेष रूप से केंद्रित है।

Publication	Punjab Kesari
Headline	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah
Date	9 September 2020

कुपोषण से बचाने के लिए नंदघरों की अहम भूमिका

मानसा, 8 सितम्बर (संदीप मित्तल, बी.एन.-177/9) : प्रसिद्ध संस्थान वेदांता ग्रुप भारत सरकार की तरफ से चलाए कुपोषण मुक्त अभियान में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। इसी के अंतर्गत वेदांता ग्रुप के सामाजिक सारोकारों की प्रमुख नंदघर योजना द्वारा छोटे बच्चों, गर्भवती और कमजोर औरतों को कुपोषन से बचाने के लिए मासिक पोषण अभियान में सहभागी है। नंदघर परियोजना के मुख्य अधिकारी ऋतु झिगोंन

नंदघर में पोषण अभियान दौरान हाजरीन। (मित्तल)

ने बताया कि वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का मुख्य मकसद है कि देश भर में कोई बच्चा कुपोषण का शिकार न हो। उनके ड्रीम मॉडल प्रोजैक्ट में आंगनबाड़ियों के नैटवर्क है। जिन में बच्चे, औरतें और स्थानीय जरूरतमंद कबीलों को विकास शक्ति मिलती है। यह परियोजना देश के 7 राज्यों राजस्थान, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक व मध्य प्रदेश में संचालित है।

Publication	Dainik Bhaskar
Headline	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah
Date	9 September 2020

कुपोषण मुक्त भारत अभियान में वेदांता की सरकार से सहभागिता

मानसा|भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कुपोषण मुक्त भारत अभियान में वेदांता समूह अपनी अहम भूमिका निभा रहा है, जिसके तहत वेदांता के सामाजिक सरोकार की प्रमुख नंद घर परियोजना द्वारा छोटे बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को कुपोषण से बचाव के लिए पोषण माह में अपनी सहभागिता दे रहा है। नंद घर ने राजस्थान, यूपी, झारखंड और ओडिशा में पोषण-संवर्धन गतिविधियों में भाग लेने के लिए सरकार के साथ इसकी पहल की है। कुपोषण से बचाव की दृष्टि से जन जागरूकता एवं आंदोलन के रूप में इसे पोषण माह के रूप आयोजित किया जा रहा है। नंद घर परियोजना की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋतु झिंगोन ने कहा कि वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का लक्ष्य है कि भारत में कोई भी बच्चा कुपोषित ना रहे। साल 2015 में नंद घर की शुरुआत 13.7 लाख आंगनवाड़ियों 8.5 करोड़ बच्चों और 2 करोड़ महिलाओं के जीवन को बदलने की दृष्टि से शुरू हुई थी। नंद घर वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के ड्रीम प्रोजेक्ट मॉडल आंगनवाड़ियों का एक नेटवर्क है, जहां बच्चों, महिलाओं व स्थानीय समुदायों के समावेशी विकास पर बल दिया जाता है।

नंद घर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सहयोग से स्थापित किए गए हैं। नंद घर नंद प्रधानमंत्री के बाल कुपोषण के उन्मूलन, शिक्षा प्रदान करने, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास के लिए महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

Publication	Jagbani
Headline	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah
Date	9 September 2020

ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਨੰਦਘਰਾਂ ਦੀ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ

ਮਾਨਸਾ, 8 ਸਤੰਬਰ (ਸੰਦੀਪ ਮਿੱਤਲ,ਬੀ.ਐੱਨ.177/9)-

ਨੰਦਘਰ ਵਿਖੇ ਪੋਸ਼ਣ ਅਭਿਆਨ ਦੌਰਾਨ ਹਾਜ਼ਰੀਨ। (ਮਿੱਤਲ)

ਪ੍ਰਸਿੱਧ ਅਦਾਰਾ ਵੇਦਾਂਤਾ ਗਰੁੱਪ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵਲੋਂ ਚਲਾਏ ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਮੁਕਤ ਅਭਿਆਨ 'ਚ ਆਪਣੀ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਅ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸੇ ਤਹਿਤ ਵੇਦਾਂਤਾ ਗਰੁੱਪ ਦੇ ਸਮਾਜਕ ਸਾਰੋਕਾਰਾਂ ਦੀ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਨੰਦਘਰ ਯੋਜਨਾ ਦੁਆਰਾ ਛੋਟੇ ਬੱਚਿਆਂ, ਗਰਭਵਤੀ ਔਰਤਾਂ ਅਤੇ ਕਮਜ਼ੋਰ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਤੋਂ ਬਚਾਉਣ ਲਈ ਮਾਸਿਕ ਪੋਸ਼ਣ ਅਭਿਆਨ 'ਚ ਸਹਿਭਾਗੀ ਹੈ। ਨੰਦਘਰ ਪ੍ਰੀਯੋਜਨਾ ਦੇ ਮੁੱਖ ਅਧਿਕਾਰੀ ਰਿੱਤੂ ਝਿਗੌਨ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਵੇਦਾਂਤਾ ਗਰੁੱਪ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਅਨਿਲ ਅਗਰਵਾਲ ਦਾ ਮੁੱਖ ਮਕਸਦ ਹੈ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਭਰ 'ਚ ਕੋਈ ਬੱਚਾ ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਦਾ ਸ਼ਿਕਾਰ ਨਾ ਹੋਵੇ। ਇਹ ਪ੍ਰੀਯੋਜਨਾ ਦੇਸ਼ ਦੇ 7 ਰਾਜਾਂ ਰਾਜਸਥਾਨ, ਉਡੀਸਾ, ਉਤਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼, ਝਾਰਖੰਡ, ਛਤੀਸ਼ਗੜ, ਕਰਨਾਟਕ, ਮੱਧ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ 'ਚ ਚਲ ਰਹੀ।

Publication	Groatimes
Headline	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah
Date	9 September 2020

Sports / Business

Vedanta's Nand Ghar to collaborate with Govt. to promote 'Kuposhan mukt Bharat'

- Aims to fight malnutrition in children

Nand Ghar, the Vedanta Group's flagship corporate social responsibility project, is spearheading the fight against malnutrition by celebrating 'Poshan Maah', the government's holistic nutrition programme.

Nand Ghar has joined hands with the government to participate in nutrition-promotion activities in Rajasthan, UP, Jharkhand and Odisha. 'Poshan Maah' is observed as nutrition month to create a jan andolan and spread awareness about issues related to malnutrition in children, pregnant women and lactating mothers.

According to Dr KK Pathak, Principal Secretary, Ministry and Child Development, Government of Rajasthan, "Celebrating Poshan Maah is one of the government's key initiative to fight against malnourishment. I am delighted and grateful that Vedanta Nand Ghar is waging this war in partnership with us. Nand Ghars are celebrating Poshan Maah with full fervour and ensuring that the message is resonated loud and clear in the communities. This wonderful collaboration between Vedanta and the Ministry of Women and Child Development will truly bring about the desired change and the common goal of a 'Kuposhan mukt Bharat' will surely be met."

With a thrust on development of 'nutri-gardens', Nand Ghar will monitor the height and weight of children to identify cases of severe acute malnutrition (SAM) and moderate acute malnutrition (MAM) so that they can get the right kind of support.

"Vedanta Chairman Anil Agarwal's Vision is to see no child in India malnourished. Vedanta's Nand Ghars are celebrating 'Poshan Maah' in partnership with the government. The month-long initiatives will strengthen our resolve to eradicate malnutrition in children across the country," Nand Ghar CEO Ritu Priya said.

During the past one week, Nand Ghar has been involved in a string of activities including inauguration of 'Poshan Maah', nutrition rallies, nutri-garden plantation and awareness sessions with large-scale participation from the government, stakeholders and community members.

A dream project of Vedanta Chairman, Shri Anil Agarwal, Nand Ghar is a network of model anganwadis where the thrust is on inclusive development of children, women and local communities. Nand Ghars made its debut in 2017 with a vision to transform the lives of 6.5 crore children and 2 crore women across 10.7 lakh anganwadis.

Nand Ghar Nand is committed to the Prime Minister's vision of eradicating child malnutrition, providing education, healthcare and empowering women with skill development.

Nand Ghar reached an important milestone last month when it rolled out its 1500th centre at Surahi village in Kashi Vidyapeeth block of Varanasi. The project is now spread across seven states – Rajasthan, Odisha, Uttar Pradesh, Jharkhand, Chhattisgarh, Karnataka and Madhya Pradesh – and aims to touch the lives of 4 million community members while directly impacting around 2 lakh children and 1.6 lakh women on an annual basis.

Vedanta is committed to reinvest in the social good of its neighbourhood communities and the nation. The Group's flagship CSR project, Nand Ghar, is a network of model anganwadis where the thrust is on inclusive development of women and children at the grassroots level. The Group CSR initiative comprises of seven key verticals – Education, Healthcare, Water and Sanitation, Sustainable Livelihood, Skilling, Sports & Culture and Employee Volunteering. Vedanta Foundation, a philanthropic initiative of Vedanta Resources Limited, is focused on skill development and vocational training programmes for the underprivileged to make them employable.

A key healthcare specialty CSR project is the Balco Medical Center, a 300 bed state-of-the-art Cancer care hospital located in New Raipur, Chhattisgarh.

Vedanta Sports has two football academies located in Udaipur & Goa that promotes grassroot level football for the underprivileged youths and has a women's football league as well.

About Vedanta Limited

Vedanta Limited, a subsidiary of Vedanta Resources Limited, is one of the world's leading Oil & Gas and Metals Company with significant operations in Oil & Gas, Zinc, Lead, Silver, Copper, Iron Ore, Steel, and Aluminium & Power across India, South Africa, Namibia, and Australia. For two decades, Vedanta has been contributing to India's growth story, currently contributing 1 percent of India's GDP. The company is among the top private sector contributors to the exchequer with the highest ever contribution of INR 40,160 Crore in FY 2019.

Governance and sustainable development are at the core of Vedanta's strategy, with a strong focus on health, safety and environment and on enhancing the lives of local communities. The company has been conferred the CII-ITC Sustainability Award, the FICCI CSR Award, Dun & Bradstreet Awards in Metals & Mining, and certified as a Great Place to Work. Vedanta Limited is listed on the Bombay Stock Exchange and the National Stock Exchange in India and has ADRs listed on the New York Stock Exchange.

Media Coverage Dossier

Coverage from 12th to 18th September 2020

- Nand Ghar Celebrates Poshan Maah

Total	Print	Online	Electronic
02	01	01	-

S.No.	Publication	Headline	Medium	Date
1	Babushahi	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah	Online	12.9.2020
2	Sach Kahoon	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah	Print	12.9.2020

Publication	Sach Kahoon
Headline	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah
Date	12 September 2020

ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਮੁਕਤ ਭਾਰਤ 'ਚ ਵੇਦਾਂਤਾ ਪਾ ਰਿਹਾ ਅਹਿਮ ਯੋਗਦਾਨ

ਵੇਦਾਂਤਾ ਦੇ ਨੰਦਘਰਾਂ 'ਚ ਮਨਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹੈ ਪੋਸ਼ਣ ਮਹੀਨਾ

ਸੱਚ ਕਹੂੰ ਨਿਊਜ਼

ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ, 10 ਸਤੰਬਰ।

ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਵੱਲੋਂ ਚਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਮੁਕਤ ਭਾਰਤ ਮੁਹਿੰਮ 'ਚ ਵੇਦਾਂਤਾ ਸਮੂਹ ਆਪਣੀ ਅਹਿਮ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਤਹਿਤ ਵੇਦਾਂਤਾ ਦੇ ਸਮਾਜਿਕ ਸਰੋਕਾਰ ਦੀ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਨੰਦਘਰ ਯੋਜਨਾ ਵੱਲੋਂ ਛੋਟੇ ਬੱਚਿਆਂ, ਗਰਭਵਤੀ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਖੁਰਾਕ ਦੇ ਕੇ ਆਪਣਾ ਸਹਿਯੋਗ ਪਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਨੰਦ ਘਰ ਨੇ ਰਾਜਸਥਾਨ, ਯੂਪੀ, ਝਾਰਖੰਡ ਅਤੇ ਓੜੀਸ਼ਾ 'ਚ ਪੋਸ਼ਣ ਸਬੰਧੀ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ 'ਚ ਭਾਗ ਲੈ ਕੇ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨਾਲ ਇਸਦੀ ਪਹਿਲ ਕੀਤੀ ਹੈ। ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਦੀ ਦਿਸ਼ਟੀ 'ਚ ਲੋਕ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਫੈਲਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਨਵੀਂ ਦਿੱਲੀ : ਵੇਦਾਂਤਾ ਦੇ ਨੰਦ ਘਰ 'ਚ ਪੋਸ਼ਣ ਮਹੀਨਾ ਮਨਾਉਣ ਮੌਕੇ ਜੁੜੀਆਂ ਮਹਿਲਾਵਾਂ। **ਤਸਵੀਰ : ਸੱਚ ਕਹੂੰ ਨਿਊਜ਼**

ਰਾਜਸਥਾਨ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਸਕੱਤਰ ਮਹਿਲਾ ਤੇ ਬਾਲ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰਾਲਾ ਡਾ. ਕੇਕੇ ਪਾਠਕ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਤੋਂ ਬਚਾਅ ਲਈ ਪੋਸ਼ਣ ਮਹੀਨਾ ਸਰਕਾਰ ਦੀਆਂ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਯੋਜਨਾਵਾਂ 'ਚੋਂ ਇੱਕ ਹੈ ਜਿਸ 'ਚ ਹਿੱਸੇਦਾਰੀ ਲਈ ਵੇਦਾਂਤਾ ਦੀ ਨੰਦਘਰ ਯੋਜਨਾ ਵੱਲੋਂ ਸ਼ਲਾਘਾਯੋਗ ਪਹਿਲ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਨੰਦਘਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਪੋਸ਼ਣ ਮਹੀਨੇ ਦਾ ਆਯੋਜਨ, ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਤੋਂ ਮੁਕਤ ਵਾਤਾਵਰਨ ਬਣਾਉਣ, ਪੋਸ਼ਕ ਤੱਤ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਣੇ ਅਤੇ ਜਾਗਰੂਕਤਾ ਲਈ ਵੱਡੀ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਈ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ। ਨੰਦਘਰ ਯੋਜਨਾ ਦੀ ਮੁੱਖ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਰਿਤੂ ਝਿੰਗਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਵੇਦਾਂਤਾ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਅਨਿਲ ਅਗਰਵਾਲ ਦਾ ਟੀਚਾ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ 'ਚ ਕੋਈ ਵੀ ਬੱਚਾ ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਮੁਕਤ ਨਾ ਰਹੇ। ਇਸ ਟੀਚੇ ਦੇ ਨਾਲ ਵੇਦਾਂਤਾ ਦੇ ਨੰਦ ਘਰ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਨਾਲ ਸਹਿਯੋਗ ਕਰਕੇ ਪੋਸ਼ਣ ਮਹੀਨਾ ਮਨਾ ਰਹੇ ਹਨ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਇਸ ਪਹਿਲ ਨਾਲ ਦੇਸ਼ ਭਰ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਕੁਪੋਸ਼ਣ ਤੋਂ ਦੂਰ ਕਰਨ ਦੇ ਟੀਚੇ ਨੂੰ ਬਲ ਮਿਲੇਗਾ। ਨੰਦਘਰਾਂ 'ਚ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਸਹੀ ਸਰੀਰਕ ਜਾਂਚ ਲਈ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਭਾਰ ਅਤੇ ਵਿਕਾਸ ਦੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਰੱਖੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

2015 'ਚ ਹੋਈ ਸੀ ਨੰਦਘਰ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ

ਸਾਲ 2015 'ਚ ਨੰਦਘਰ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ 13.7 ਲੱਖ ਆਂਗਣਵਾੜੀਆਂ, 8.5 ਕਰੋੜ ਬੱਚਿਆਂ ਅਤੇ 2 ਕਰੋੜ ਔਰਤਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਨੂੰ ਬਦਲਣ ਦੇ ਟੀਚੇ ਨਾਲ ਹੋਈ ਸੀ। ਨੰਦਘਰ ਵੇਦਾਂਤਾ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਅਨਿਲ ਅਗਰਵਾਲ ਦੇ ਡ੍ਰੀਮ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ ਮਾਡਲ ਆਂਗਣਵਾੜੀਆਂ ਦਾ ਇੱਕ ਨੈਟਵਰਕ ਹੈ ਜਿੱਥੇ ਬੱਚਿਆਂ, ਔਰਤਾਂ ਅਤੇ ਸਥਾਨਕ ਵਰਗਾਂ ਦੇ ਸਰੀਰਕ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਖੁਰਾਕ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਨੰਦ ਘਰ ਕੇਂਦਰੀ ਮਹਿਲਾ ਤੇ ਬਾਲ ਵਿਕਾਸ ਮੰਤਰਾਲੇ ਦੇ ਸਹਿਯੋਗ ਨਾਲ ਸਥਾਪਿਤ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਵੇਦਾਂਤਾ ਦਾ ਰਾਏਪੁਰ (ਛੱਤੀਸਗੜ੍ਹ) 'ਚ ਇੱਕ 200 ਬੈੱਡ ਦਾ ਅਤੀਆਧੁਨਿਕ ਕੈਂਸਰ ਕੇਅਰ ਹਸਪਤਾਲ ਵੀ ਹੈ।

Publication	Babushahi
Headline	Nand Ghar Celebrates Poshan Maah
Date	12 September 2020

'ਕੁਪੋਸ਼ਣਮੁਕਤ ਭਾਰਤ' ਲਈ ਸਰਕਾਰ ਨੂੰ ਸਹਿਯੋਗ ਦੇਵੇਗਾ ਵੇਦਾਂਤਾ ਦਾ ਨੰਦਗੜ੍ਹ ਪ੍ਰੋਜੈਕਟ